सफलता की कहानी

मै शिवकुमार वर्मा पुत्र श्री जयराम वर्मा, ग्राम– उमरनी पिपरी, विकासखण्ड– बीकापुर, तहसील–बीकापुर, जनपद– फैजाबाद का निवासी हूँ। मैं पहली बार हल्दी की खेती के लिए उद्यान विभाग से जानकारी प्राप्त करने गया जहाँ से पता चला कि हल्दी की खेती पर अनुदान की योजना है। मैने 0.2 हे0 हल्दी की खेती हेतु आवेदन किया, उद्यान विभाग द्वारा अनुदान 2500.00 रू0 के सापेक्ष 39.655 किग्रा हल्दी बीज एवं 2.350 किग्रा ट्राइकोडर्मा प्राप्त हुआ। शेष बीज मैं अपने पास से लगाया जो कि उद्यान विभाग के देख रेख एवं निर्देशन में आई. पी. एम./आई. एन. एम. तकनीक अपनाते हुए मैनें खेत की तैयारी में 50 कु0 गोबर की सड़ी खाद, सिंगल सुपर फास्फेट, एम0ओ0पी0 की पूरी मात्रा डाल कर बीज की बुवाई किया। समय समय पर सिचाई एवं निकाई गुड़ाई आदि कार्य वैज्ञानिक विधि से किया तथा खड़ी फसल पर यूरिया की टापड्रेसिंग किया। हल्दी उत्पादन में मेरा लगभग रू0 17000.00 मजदूरी, बीज, सिंचाई, आदि पर व्यय हुआ। हल्दी बीज विकय एवं पकाकर मसालें के रूप में हल्दी विकय से मुझे कुल लगभग 62000.00 रूपये आय होने की सम्भावना है। इस प्रकार 0.20 हे0 हल्दी की खेती से लगभग रू0 49000.00 लाभ प्राप्त हो रहा है, जिसमें उद्यान विभाग का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।